

## साईं कष्ट निवारण मंत्र

कष्टों की काली छाया दुखदायी है, जीवन में घोर उदासी  
लायी है ।

संकट को तालो साईं दुहाई है, तेरे सिवा न कोई सहाई है ।  
मेरे मन तेरी मूरत समाई है, हर पल हर शन महिमा गायी है ।  
घर मेरे कष्टों की आंधी आई है, आपने क्यूँ मेरी सुध भुलाई है ।  
तुम भोले नाथ हो दया निधान हो, तुम हनुमान हो तुम बलवान  
हो ।

तुम्ही राम और श्याम हो, सारे जग त में तुम सबसे महान हो ।  
तुम्ही महाकाली तुम्ही माँ शारदे, करता हूँ प्रार्थना भव से तार  
दे ।

तुम्ही मोहमद हो गरीब नवाज़ हो, नानक की बानी में ईसा के  
साथ हो ।

तुम्ही दिगम्बर तुम्ही कबीर हो, हो बुध तुम्ही और महावीर हो ।  
सारे जगत का तुम्ही आधार हो, निराकार भी और साकार हो ।

करता हूँ वंदना प्रेम विश्वास से, सुनो साईं अल्लाह के वास्ते ।  
अधरों पे मेरे नहीं मुस्कान है, घर मेरा बनने लगा शमशान है ।  
रहम नज़र करो उज्हे वीरान पे, जिंदगी संवरेगी एक वरदान  
से ।

पापों की धुप से तन लगा हारने, आपका यह दास लगा  
पुकारने ।

आपने सदा ही लाज बचाई है, देर न हो जाये मन शंकाई है ।  
धीरे-धीरे धीरज ही खोता है, मन में बसा विश्वास ही रोता है ।

मेरी कल्पना साकार कर दो, सूनी जिंदगी में रंग भर दो ।

ढोते-ढोते पापों का भार जिंदगी से, मैं गया हार जिंदगी से ।

नाथ अवगुण अब तो बिसारो, कष्टों की लहर से आके उबारो ।

करता हूँ पाप मैं पापों की खान हूँ, ज्ञानी तुम ज्ञानेश्वर मैं अज्ञान  
हूँ ।

करता हूँ पग-पग पर पापों की भूल मैं, तार दो जीवन ये चरणों  
की धूल से ।

तुमने ऊजरा हुआ घर बसाया, पानी से दीपक भी तुमने  
जलाया ।

तुमने ही शिरडी को धाम बनाया, छोटे से गाँव में स्वर्ग सजाया  
।

कष्ट पाप श्राप उतारो, प्रेम दया दृष्टि से निहारो ।

आपका दास हूँ ऐसे न टालिए, गिरने लगा हूँ साईं संभालिये ।

साईंजी बालक मैं अनाथ हूँ, तेरे भरोसे रहता दिन रात हूँ ।

जैसा भी हूँ , हूँ तो आपका, कीजे निवारण मेरे संताप का ।

तू है सवेरा और मैं रात हूँ, मेल नहीं कोई फिर भी साथ हूँ ।

साईं मुझसे मुख न मोड़ो, बीच मझधार अकेला न छोड़ो ।

आपके चरणों में बसे प्राण है, तेरे वचन मेरे गुरु समान है ।

आपकी राहों पे चलता दास है, खुशी नहीं कोई जीवन उदास  
है ।

आंसू की धारा में डूबता किनारा, जिंदगी में दर्द , नहीं गुज़ारा ।

लगाया चमन तो फूल खिलायो, फूल खिले है तो खुशबू भी  
लायो ।

कर दो इशारा तो बात बन जाये,जो किस्मत में नहीं वो मिल  
जाये ।

बीता ज़माना यह गाके फ़साना,सरहदे ज़िन्दगी मौत तराना ।  
देर तो हो गयी है अंधेर ना हो,फ़िक्र मिले लकिन फरेब ना हो  
।

देके टालो या दामन बचा लो,हिलने लगी रहनुमाई संभालो ।  
तेरे दम पे अल्लाह की शान है,सूफी संतो का ये बयान है ।  
गरीबों की झोली में भर दो खजाना,ज़माने के वली करो ना  
बहाना ।

दर के भिखारी है मोहताज है हम,शंहंशाये आलम करो कुछ  
करम ।

तेरे खजाने में अल्लाह की रहमत,तुम सदगुरू साईं हो  
समरथ ।

आये हो धरती पे देने सहारा,करने लगे क्यूँ हमसे किनारा ।

जब तक ये ब्रह्मांड रहेगा,साईं तेरा नाम रहेगा ।

चाँद सितारे तुम्हे पुकारेंगे,जन्मोजनम हम रास्ता निहारेंगे ।

आत्मा बदलेगी चोले हज़ार,हम मिलते रहेंगे बारम्बार ।  
आपके कदमो में बैठे रहेंगे,दुखड़े दिल के कहते रहेंगे ।  
आपकी मर्जी है दो या ना दो,हम तो कहेंगे दामन ही भर दो ।  
तुम हो दाता हम है भिखारी,सुनते नहीं क्यूँ अर्ज़ हमारी ।  
अच्छा चलो एक बात बता दो,क्या नहीं तुम्हारे पास बता दो ।  
जो नहीं देना है इनकार कर दो,खतम ये आपस की तकरार  
कर दो ।

लौट के खाली चला जायूँगा,फिर भी गुण तेरे गायूँगा ।  
जब तक काया है तब तक माया है,इसी में दुखो का मूल  
समाया है ।  
सबकुछ जान के अनजान हूँ मैं,अल्लाह की तू शान तेरी शान  
हूँ मैं ।

तेरा करम सदा सब पे रहेगा,ये चक्र युग-युग चलता रहेगा ।  
जो प्राणी गायेगा साईं तेरा नाम,उसको मुक्ति मिले पहुंचे परम  
धाम ।

ये मंत्र जो प्राणी नित दिन गायेंगे, राहू , केतु , शनि निकट ना  
आयेंगे ।

टाल जायेंगे संकट सारे, घर में वास करें सुख सारे ।

जो श्रद्धा से करेगा पठन, उस पर देव सभी हो प्रस्सन ।

रोग समूल नष्ट हो जायेंगे, कष्ट निवारण मंत्र जो गायेंगे ।

चिंता हरेगा निवारण जाप, पल में दूर हो सब पाप ।

जो ये पुस्तक नित दिन बांचे, श्री लक्ष्मीजी घर उसके सदा  
विराजे ।

ज्ञान , बुधि प्राणी वो पायेगा, कष्ट निवारण मंत्र जो धयायेगा ।

ये मंत्र भक्तों कमाल करेगा, आई जो अनहोनी तो टाल देगा ।

भूत-प्रेत भी रहेंगे दूर , इस मंत्र में साईं शक्ति भरपूर ।

जपते रहे जो मंत्र अगर, जादू-टोना भी हो बेअसर ।

इस मंत्र में सब गुण समाये, ना हो भरोसा तो आजमाए ।

ये मंत्र साईं वचन ही जानो, सवयं अमल कर सत्य पहचानो ।

संशय ना लाना विश्वास जगाना, ये मंत्र सुखों का है खज़ाना ।

इस पुस्तक में साईं का वास, जय साईं श्री साईं जय जय साईं ।

Credit : 360marathi.in